

# डॉ. इलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 28, एलीशा, अहाब, अशशूर, उत्तरी राज्य का अंत

© 2024 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

आज आपके लिए घोषणाएँ, जैसा कि आप देख सकते हैं। यह मेरी बेहतरीन कहानियों में से एक है। तो, चलिए गायन से शुरुआत करते हैं। क्या यह बहुत बढ़िया नहीं है, या बिल्कुल बढ़िया? ज़रा सोचिए, एक दिन मैं किसका अनुयायी बन जाऊँगा? किसी तरह का भाषण। चलिए अपना ओसे शालोम गाते हैं। फिर से, शायद आपको इसके कुछ हिस्से बहुत अच्छी तरह याद न हों क्योंकि जब हम कोरस पर पहुँचते हैं, तो यह हर जगह फैल जाता है।

लेकिन आइए देखें कि हम इसके साथ क्या कर सकते हैं। आप अपनी आवाज़ को उस कोरस में इधर-उधर भटकने दे सकते हैं, और संभावना है कि आप कुछ नोट्स सही से बजा पाएंगे क्योंकि वे कुछ अजीबोगरीब चीजें करते हैं। किसी भी तरह से, यह एक प्यारा सा हिब्रू गीत है, जो मुझे उम्मीद है कि अगर आप कभी आराधनालय जाते हैं, तो आप इसे सुनेंगे।

इसके अलावा, थोड़ा आगे की बात करें तो, होलोकॉस्ट मेमोरियल सर्वाइवर्स सर्विस 21 अप्रैल को पीबॉडी हाई स्कूल में है। वे हमेशा वहां भी यही गाते हैं। मैं शायद इसके बारे में थोड़ी देर बाद कुछ और कहूँगा, लेकिन अगर आप संभवतः इसमें शामिल हो सकते हैं, तो मैं आपको ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा।

जाहिर है, हर साल, होलोकॉस्ट के बचे हुए लोगों की संख्या कम होती जा रही है। और इसलिए, यह वास्तव में उन्हें सम्मानित करने और कुछ ऐसा याद करने का समय है जो उनके दिमाग में बहुत भयावह है, और फिर भी वे बच गए। और उत्तरी तट पर बचे हुए लोगों का एक बहुत अच्छा छोटा दल है।

क्या आप में से किसी ने सोनिया वेइट्ज़ को सुना जब वह पतझड़ में कैंपस में थी? वह शायद यहाँ मौजूद उस अद्भुत समुदाय की सबसे मुखर प्रवक्ता है। खैर, आइए हम शुरू करते समय साथ में प्रार्थना करने के लिए कुछ समय निकालें, और फिर हम आज के लिए अपने काम पर लग जाँएँ। दयालु परमेश्वर, हमारे स्वर्गीय पिता, अनमोल उद्धारक, सत्य की सबसे पवित्र आत्मा।

अपने आप को हमारे सामने प्रकट करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, विशेष रूप से यीशु मसीह के व्यक्तित्व के रूप में खुद को प्रकट करने के लिए। शब्द अवतार, पिता, हम ईस्टर के मौसम के करीब आते ही आभारी हैं कि हम फिर से अपने मन और दिल को मसीह के माध्यम से हमारे लिए आपके प्यार की गहन गहराई तक खींच सकते हैं। इसलिए, जैसे-जैसे हम इन अगले दिनों में आगे बढ़ते हैं, हमें समय, भक्ति और इरादे से यह याद दिलाने में मदद करें कि हमें छुड़ाने और उस कीमत का भुगतान करने का आपके लिए क्या मतलब है।

पिता, मैं हम में से हर एक के लिए प्रार्थना करूँगा कि हम इस सप्ताहांत यात्रा करें और आप हमें यात्रा में दया और सुरक्षा प्रदान करें, कि आप हमें उस पारिवारिक संदर्भ में रोशनी के रूप में उपयोग करने में प्रसन्न हों जिसमें हम जा रहे हैं, और वास्तव में, हम सुरक्षित रूप से वापस भी आएँ। यह हम में से हर एक के लिए पुनर्स्थापना का समय हो। कृपया हमें इस दिन अपने वचन के माध्यम से सिखाएँ।

हम जानते हैं कि इसमें शक्ति है। हमारे दिलों और जीवन में काम करने वाली आपकी आत्मा की शक्ति को न बुझाने में हमारी मदद करें। और इसलिए, हम इन सभी चीज़ों को साहसपूर्वक और हमारे उद्धारकर्ता मसीह के नाम पर धन्यवाद के साथ मांगेंगे, आमीन।

खैर, हम आगे बढ़ रहे हैं। पिछली बार हमने अपने ज्ञान साहित्य अभियान के बाद फिर से इतिहास लिखना शुरू किया, और हमने राज्य के विभाजन से लेकर एलिय्याह के समय तक का इतिहास लिखा। आपको याद होगा कि वह विभाजित राज्य के पहले 75 साल थे।

और बस थोड़ा सा पुनरावलोकन करने के लिए, मैं आपको उत्तरी राज्य में कितने अलग-अलग राजवंशों के बारे में बताना चाहता हूँ? अनुमान लगाइए चार, हाँ, ठीक है। और हमने पहले तीन के बारे में बात की। वे कौन थे? आप एक झलक देख सकते हैं।

नहीं, यह पूर्वावलोकन नहीं है, समीक्षा है। यदि आप अपने नोट्स देखें, तो उत्तरी राज्य में पहला राजवंश किसने शुरू किया? जे से शुरू होता है, नबात का बेटा यारोबाम। उसके बाद, वह बी से शुरू होता है। किसी को याद है? क्या किसी के पास नोट्स हैं? मैं थोड़ी देर में यहाँ चार्ट डालने जा रहा हूँ, लेकिन मैं बस यह देखना चाहता हूँ कि हम कहाँ हैं।

हाँ, क्रिस्टीना। हाँ, बाशा, बढ़िया। और फिर तीसरी, ओमरी, शानदार है।

ठीक है, विभाजित राज्य, उत्तरी राज्य का अंत। यहाँ वह चार्ट है जिसे हम देख रहे हैं, और मुझे अपना पॉइंटर ढूँढना है। पिछली बार हमने जेरोबाम, बाशा राजवंश से अपना रास्ता बनाया था, और हमें ओमरी अपने बेटे अहाब के साथ टेबल पर मिला था।

और, बेशक, अहाब और इज़ेबेल, दुर्भाग्य से, सबसे ज़्यादा जाने जाते हैं क्योंकि वे ही थे जो बाल की पूजा को राज्य धर्म के रूप में लाने के लिए ज़िम्मेदार थे। और, बेशक, यही वह संदर्भ था जिसमें एलिय्याह को मंत्री के रूप में बुलाया गया था। विशेष रूप से, हमारे पास माउंट कार्मेल पर एलिय्याह और बाल और अशेरा के भविष्यवक्ताओं के बीच टकराव है।

पिछली बार हमने यहीं छोड़ा था। मैं आपको बता दूँ कि आज हम कहाँ जा रहे हैं। आज हम उत्तरी राज्य पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं, ठीक है? तो, अगर आप सोच रहे हैं, तो इन सभी लोगों का क्या हुआ? हम वहाँ पहुँच रहे हैं, भगवान की इच्छा से, आज से एक सप्ताह बाद जब हम ईस्टर की छुट्टियों के बाद वापस आएँगे।

हम दक्षिणी राज्य से शुरू करेंगे और उन पर तथा कुछ और पर ध्यान देंगे। लेकिन आज हमारा उद्देश्य फिर से अहाब से शुरू करना है क्योंकि कुछ घटनाएँ हैं जो अहाब के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम अहाब से लेकर येहू तक बहुत जल्दी आगे बढ़ेंगे।

वह महत्वपूर्ण होने जा रहा है। फिर हम यारोबाम द्वितीय पर जाएंगे। बेशक, शास्त्र में उसे दूसरा नहीं कहा गया है, लेकिन वह दूसरा यारोबाम है जो साथ आता है।

इसलिए हम उसे नबात के बेटे यारोबाम से अलग करने के लिए इस तरह से लेबल करेंगे। और फिर अंत में, राजाओं की एक पूरी श्रृंखला जो बहुत लंबे समय तक नहीं टिकी, 2 राजा अध्याय 15। अगर आपने आज इसे पढ़ा है, तो आप जानते हैं कि उत्तरी राज्य के अंत की भयावहता बस, मेरा मतलब है, चीजें गड़बड़ हैं।

और इस क्षेत्र और उस क्षेत्र में नागरिक संघर्ष और गुटबाजी प्रतीत होती है। इसलिए, यह उत्तर के पतन के निकट भयानक है। हम थोड़ा सा ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, ठीक है, हम एलीशा के बारे में भी बात करेंगे, लेकिन हम अपने पहले लेखन भविष्यद्वक्ताओं, होशे, आमोस और योना के संदर्भ को देखना चाहते हैं।

और आज, जब हम इस समय के कुछ महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय शासकों के बारे में बात करेंगे, तो हम विशेष रूप से योना के बारे में कुछ बातें समझने के लिए आधार तैयार करेंगे। और हम लगभग डेढ़ सप्ताह में योना के बारे में बात करेंगे। तो आज हम इसी विषय पर बात करने जा रहे हैं।

आइए हम अपनी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के बारे में थोड़ा-बहुत जानें। फिर से, मैं कुछ पृष्ठभूमि देने की कोशिश कर रहा हूँ, जिसमें आप जो पाठ पढ़ रहे हैं, उसे सम्मिलित किया जा सके, विशेष रूप से 2 राजाओं और इतिहास में समानताएँ। सबसे पहले, असीरिया, कुछ नाम जिनसे हम पहले से ही परिचित हैं।

विशेष रूप से, शाल्मनेसर तृतीय। आप पुराने नियम में जो पढ़ रहे हैं, वह शाल्मनेसर तृतीय की सामग्री के समान है जिसमें ओम्री के घराने का उल्लेख है, अहाब का उल्लेख है। और फिर वहाँ एक बहुत ही दिलचस्प छोटा खड़ा पत्थर भी है।

अब आप जानते हैं कि उन चीज़ों को स्तेल कहा जाता है। खड़ा हुआ पत्थर जो उस जी को इंगित करता है जो शालमनेसर को श्रद्धांजलि देने आता है। फिर से, आपने इसे पुराने नियम के समानांतरों में पढ़ा है।

मैं थोड़ा आगे बढ़ रहा हूँ। हमारे पास टिग्लथ-पिलेसर III भी है। अगर आप यह सब लिखने से खुश नहीं हैं, तो इससे निपटने के दो तरीके हैं। आप वही कर सकते हैं जो बाइबिल के पाठ में किया गया है।

खैर, वे कभी-कभी उसे पुल कहते हैं। इसलिए, जब आप पुल पढ़ते हैं, तो वह टिग्लथ-पिलेसर III होता है। या आप बस TP3 लिख सकते हैं।

बाइबिल के पाठ में ऐसा नहीं है, लेकिन यह टिग्लथ-पिलेसर III के बारे में बात करने का एक छोटा तरीका है। मैं उनके बारे में भी थोड़ा और बताऊंगा। फिर, उत्तरी साम्राज्य के अंत में, ठीक 722 के समय के आसपास, जब उत्तरी साम्राज्य गिरने वाला था, हमारे पास ये दो नाम हैं, शालमनेसर वी और सरगोन III।

दोनों ही महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। दोनों ही सामने आ रहे हैं, ठीक है, टीपी3 भी, बाइबिल के पाठ में भी दिखाई देता है। अब, असीरिया सदियों से सत्ता पर काबिज है।

9वीं शताब्दी से शुरू होकर, यह बढ़ रहा है, और विशेष रूप से 8वीं शताब्दी में, वे उत्तरी साम्राज्य को मिटाते हुए विशेष रूप से शक्तिशाली होने जा रहे हैं। खैर, सबसे पहले, क्योंकि वे उत्तरी साम्राज्य को पूरी तरह से अधीन कर देंगे और उन्हें श्रद्धांजलि देंगे, लेकिन फिर वे उन्हें बंदी भी बना लेंगे। आपको यह बताने के लिए कि असीरियन किस तरह के थे, मैंने वास्तव में आपको आशेर नासर पॉल द्वितीय द्वारा स्थापित एक स्मारक से एक छोटा सा अंश पढ़ने के लिए चुना है।

अब, वह शालमनेसर तृतीय से पहले आने वाला है, लेकिन बस इस पर ध्यान दें। वास्तव में, यदि आप सटीक तिथियाँ जानना चाहते हैं, तो यह 883 से 859 है, जो भी हो। लेकिन मैं इसे आपके लिए पढ़ रहा हूँ क्योंकि मुझे आशा है कि इससे आपको यह एहसास होगा कि अशशूर और अशशूर के नियंत्रण की संभावना ने इस्राएलियों के लिए कितना आतंक पैदा किया होगा।

ठीक है? हो सकता है कि उनकी प्रतिष्ठा बहुत अच्छी न हो। यह संभवतः यह समझ सकता है कि योना जैसा कोई व्यक्ति, जिसे बताया गया था, और हम लगभग डेढ़ सप्ताह में उसका अध्ययन करने जा रहे हैं, योना जैसा कोई व्यक्ति जिसे बताया गया था, निनवे जाकर भविष्यवाणी करता है। शायद एक बार जब हम अपने दिमाग में यह बात रख लेते हैं, तो हम समझ सकते हैं कि योना दूसरी दिशा में क्यों भाग गया और पूर्व की बजाय पश्चिम की ओर चला गया।

बस सुनो। यह एशर नासिर पॉल की शेखी बघारना है। मैंने चमड़ी उधेड़ी। ओह, वैसे, किसी की चमड़ी उधेड़ने का क्या मतलब है, चमड़ी उधेड़ना? कोई जानता है? यह बिल्कुल अच्छी बात नहीं है।

निक, यह वास्तव में उनकी खाल को काटने के लिए है। यह बहुत ही भद्दा काम है, ठीक है? मैंने विद्रोह करने वाले सभी प्रमुख लोगों की खाल उतार दी, और मैंने खंभे को उनकी खाल से ढक दिया - कुछ को मैंने खंभे के भीतर दीवार बना दिया।

कुछ को मैंने खंभे पर खूंटियों पर लटका दिया। दूसरों को मैंने खंभे के चारों ओर खूंटियों से बांध दिया। और यह उसकी इन सभी बातों के बारे में शेखी बघारने के लिए उसका स्मारक है, है न? अपने देश की सीमा के भीतर मैंने कई लोगों की खाल उतारी।

दूसरे शब्दों में, न केवल वहाँ के दुश्मन बल्कि वे लोग जो उसके खिलाफ विद्रोह कर रहे थे। मैंने उनकी खाल दीवारों पर फैला दी, और मैंने विद्रोह करने वाले अधिकारियों के अंग काट दिए। यह बिल्कुल भी खुशी की बात नहीं है।

और फिर, बस एक छोटा सा टुकड़ा। ओह, अगर हम उड़ने की बात कर रहे हैं तो यह एक बुरा शब्द है। मुझे खेद है।

क्षमा करें। लेकिन मैं आपको इस बात की थोड़ी सी तस्वीर देता हूँ कि ऐसा क्यों होगा कि इस्राएल, और विशेष रूप से इस्राएल का एक भविष्यवक्ता योना, इन लोगों को प्रभु की ओर से किसी भी तरह का संदेश देने के लिए वास्तव में उत्साहित नहीं होगा। और, बेशक, जब हम योना के बारे में बात करेंगे, तो हम और भी अधिक समझेंगे क्योंकि उस संदेश की प्रकृति बहुत महत्वपूर्ण है।

खैर, कुछ और बातें हैं जो हम खुद को याद दिलाना चाहते हैं। हम अभी भी बेन-हदाद का नाम अपनी रडार स्क्रीन पर रखना चाहते हैं, क्योंकि आप उसके बारे में भी पढ़ रहे हैं। और फिर, बेन-हदाद की हत्या हज़ाएल नाम के एक व्यक्ति द्वारा कर दी जाती है।

अगर आपने पुराने नियम के समानांतरों को पढ़ा है, तो एक और बहुत महत्वपूर्ण पाठ 1992 में ही खोजा गया था, वैसे, दान में। अब हम जानते हैं कि दान देश के उत्तरी भाग में है क्योंकि हमने अपना इतिहास और भूगोल पढ़ा है, और हमने इसे वहाँ देखा है। जब तेल दान का उत्खननकर्ता वहाँ काम कर रहा था, तो देर दोपहर, वैसे, सूरज बिल्कुल सही तरीके से चमक रहा था।

वे दिन के लिए खुदाई बंद करने वाले थे, और एक महिला जो साइट पर थी, और मुझे सही से याद है, वहाँ कुछ फोटोग्राफी कर रही थी। उसने देखा कि छायाएँ ठीक से पड़ रही थीं, क्योंकि वहाँ एक चट्टान, एक पत्थर था, जिस पर एक शिलालेख था। और वास्तव में, अगले वर्ष, न केवल 1992 में, बल्कि 93 में भी, उन्हें इस शिलालेख के कुछ टुकड़े मिले, और जो कुछ इस पर लिखा है, या मुझे कहना चाहिए, वह मूल रूप से हजाएल की ओर से एक शेखी बघारना है, जाहिर तौर पर, दाऊद और इस्राएल के घराने के साथ उसने जो किया था, उसके संदर्भ में।

अब, इस बात के बहुत से कारण हैं कि यह क्यों महत्वपूर्ण है। इसका अंदाजा लगाने के लिए अपने पुराने नियम के समानांतरों को पढ़ें। मुझे लगा कि मैंने वहाँ annals की वर्तनी गलत लिखी है।

ठीक है। वैसे भी, यह आप में से उन लोगों के लिए एक छोटा सा फुटनोट है जो बाइबल अध्ययन में लगे हुए हैं या इस तरह की चीज़ों में रुचि रखते हैं। एक पूरी विचारधारा है जो कहती है, ठीक है, वास्तव में कोई दाऊद वंश नहीं था।

क्या मैंने इस बारे में पहले ही बात कर ली है? मुझे लगता है कि मैंने पहले ही बात कर ली है जब मैंने डेविड के समय की यरूशलेम में कुछ स्मारकीय इमारतों के बारे में बात की थी। किसी भी

मामले में, एक पूरी विचारधारा, जिसे मिनिमलिस्ट कहा जाता है, का कहना है कि यह वास्तव में डेविड का घर नहीं था। वास्तव में कोई डेविडिक राजवंश नहीं था।

वास्तव में कोई राजा डेविड और राजा सोलोमन नहीं थे जिनका कोई महत्व था। यह सब बातें मनगढ़ंत थीं, और कई शताब्दियों बाद बनाई गईं, ताकि इज़राइल को थोड़ा इतिहास दिया जा सके। खैर, दिलचस्प बात यह है कि तेल दान शिलालेख नौवीं शताब्दी का है, और यह डेविड के घराने को संदर्भित करता है।

और सीरिया से हजाएल का यह आदमी, जिसका नाम हजाएल है, इस बात पर शेखी बघार रहा है कि उसने दाऊद के घराने, दाऊद के घराने के राजा और इस्राएल के राजा को मिटा दिया है। अब, यहाँ उस चर्चा का थोड़ा सा समापन है। आपको इसके इस हिस्से पर नोट्स लेने की ज़रूरत नहीं है। वैसे, यह आपके लिए है।

यह आपकी मदद के लिए है जब आप धार्मिक चीज़ों के बारे में छोटी-छोटी चीज़ें पढ़ रहे होते हैं, और वे हमेशा बाइबल की ऐतिहासिकता को खारिज करते हैं। यह शिलालेख हमारे लिए बहुत मददगार है।

विरोधी कहते हैं, ठीक है, यह सिर्फ़ एक जालसाजी है। इसे न लें, और यह काम नहीं करेगा। दुनिया के सबसे अच्छे पुरालेखकारों में से एक, जिसका नाम एन्सन रेनी है, कहते हैं कि यह बकवास है, ठीक है? किसी भी हालत में, डैन को शिलालेख बताएं; बहुत मददगार होगा।

मेरे पास यहाँ कहीं इसकी एक तस्वीर है। लेकिन मुझे आपको यह भी बताना होगा कि मिस्र अभी भी परिदृश्य में है, लेकिन उतना शक्तिशाली नहीं है। यह असीरिया और सीरिया है जो इस समय जीवन को कठिन बना रहे हैं।

लेकिन वहाँ हमेशा मिस्र रहता है। और बेशक, मिस्र उन जगहों में से एक होगा जहाँ प्रमुख असीरियन साम्राज्य की आकांक्षा है, क्योंकि वे मध्य पूर्व के अन्न भंडार को नियंत्रित करना चाहते हैं। ठीक है, यहाँ येहू, शालमनेसर तृतीय, फिर से है, अब हम थोड़ा पीछे जा रहे हैं।

और यहाँ येहू शालमनेसर को श्रद्धांजलि दे रहा है। यहाँ हमारा टेल डैन शिलालेख है, ठीक है? आपको यहाँ बेत डेविड मिल गया है। यह कहाँ है, ठीक है? और यह अच्छी तरह से, नज़दीक से, हमारे लिए इसे देखने के लिए हाइलाइट किया गया है, बहुत मददगार है। फिर से, यह पैलियो हिब्रू में है, इसलिए आप में से जो लोग हिब्रू का अध्ययन कर सकते हैं, उनके लिए यह हिब्रू अक्षर नहीं हैं जिन्हें हम आज हिब्रू बाइबिल में देखते हैं।

यह एक पुराना रूप है। इसे दाएँ से बाएँ पढ़ा जाता है, इसलिए यहाँ पहले तीन अक्षर हैं, बेइट, डीवीडी, मूल रूप से, और यह डीवीडी नहीं है, यह डेविड है, ठीक है? अब, ऐसे अन्य तरीके भी हैं जिनसे लोग इसे पढ़ने की कोशिश करते हैं, लेकिन बस मेरी बात पर विश्वास करें, या आकर बाइबिल के व्याख्याशास्त्र में एक कक्षा लें, जहाँ हम इस विषय पर अधिक विस्तार से चर्चा करते हैं। ठीक है, हमें आगे बढ़ने की ज़रूरत है।

नक्शा, आपके पास हमेशा इन चीज़ों का नक्शा होना चाहिए। यह हमें उस समय की महाशक्तियों और उनकी आकांक्षाओं के बारे में थोड़ा सा बोध कराने के लिए है। यहाँ शाल्मनेसर तृतीय के अधीन असीरिया है, जिसके बारे में हमने अभी बात की है, क्योंकि वह वही है जिसने येहू को उसे श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कहा था।

उस बिंदु पर ध्यान दें, सामरिया अभी भी उनके नियंत्रण से बाहर है, ठीक है? सामरिया यहाँ नीचे है, शालमनेसर III उस बिंदु तक पहुँच रहा है, लेकिन वह अपना जाल फैला रहा है। जब तक हम तिग्लथ पिलेसर III तक पहुँचते हैं, तब तक यह सब उनके नियंत्रण में है। और यहाँ तक कि यरूशलेम भी श्रद्धांजलि देने जा रहा है।

वे अभी तक गिरे नहीं हैं, लेकिन वे श्रद्धांजलि अर्पित करने जा रहे हैं। और फिर अंत में, जब हम बाद के व्यक्ति, एसारहादोन तक पहुँचते हैं, तो नियंत्रण यहाँ तक नीचे चला जाता है। खैर, दक्षिण के बारे में एक शब्द, और फिर जैसा कि मैंने कहा, हम आज अपना बाकी समय उत्तरी साम्राज्य पर बिताने जा रहे हैं।

हम दक्षिण के बारे में बाद में बात करेंगे। लेकिन हमें यहोशापात के बारे में बात करनी होगी क्योंकि यहोशापात एक दिलचस्प व्यक्ति है। वह एक अच्छा इंसान है, वह एक अच्छा राजा है।

उनका एक मुख्य मुद्दा टोरा सिखाने के लिए लोगों को भेजना है। वह लेवी लोगों को भेजता है, वह पुजारियों को भेजता है, वह पूरे देश में टोरा सिखाता है। वह वहाँ मौजूद सभी कचरे से छुटकारा दिलाता है।

लेकिन वह कुछ ऐसा करता है जो थोड़ा मूर्खतापूर्ण है। वह उत्तरी राजा के साथ गठबंधन करता है। और इसीलिए हम आज उसके बारे में बात कर रहे हैं क्योंकि उन दोनों के बीच राजनीतिक संबंध बनने जा रहे हैं।

वह जो करने जा रहा है, उनमें से एक है अपने बेटे की शादी उत्तर की एक महिला अथालिया से करवाना। यह कुछ बहुत ही बदसूरत चीज़ों के लिए मंच तैयार करने जा रहा है, जिसे हम आज से एक सप्ताह बाद देखने जा रहे हैं, ठीक है? तो यह गलती नंबर एक है। वह शायद ऐसा इसलिए कर रहा है, क्योंकि सतह पर, उत्तरी राज्य अधिक शक्तिशाली दिखता है।

यह बड़ा है, यह अधिक समृद्ध है, उनके पास बहुत कुछ है। उनका फोनीशिया के साथ अच्छा संपर्क रहा है, और उन्होंने यह सब सामान आयात किया है। उत्तरी राज्य अच्छा दिखता है।

याद रखें, हम बार-बार उसी पर वापस आते हैं। लोग उस चीज़ के लिए गिर रहे हैं जो अच्छी लगती है, विश्वव्यापी लगती है, ऐसा लगता है कि यह किसी तरह मुझे आगे बढ़ाएगी। और शायद यही कारण है कि यहोशापात ने उत्तर और अहाब के साथ इस समय गठबंधन किया है।

लेकिन किसी भी तरह से, जैसा कि मैंने कहा, अच्छी बातें उनके सुधार हैं, ऊँचे स्थानों को हटाना, अशेरा खंभों से छुटकारा पाना, और टोरा के शिक्षकों को भेजना। बहुत महत्वपूर्ण चीजें हो रही हैं। मैं किसी भी तरह से इसके महत्व को कम नहीं कर सकता।

वह न्यायाधीशों की नियुक्ति भी करता है। बस एक छोटी सी बात: मैंने बार-बार कहा है कि नाम कितने महत्वपूर्ण हैं। यहोशापात के नाम का अर्थ है न्याय करने वाला प्रभु।

इसलिए उसके नाम में कुछ ऐसी बातें जुड़ी हुई हैं जो, दिलचस्प बात यह है कि, वह अंत में करता है, जिसकी पुष्टि शास्त्र निश्चित रूप से उसकी पुष्टि करते हैं। जैसा कि आप देख सकते हैं, प्रथम इतिहास में यहोशू के दृश्य को थोड़ा और विकसित किया गया है, यहाँ तक कि मेरे द्वारा इन संदर्भों को शामिल करने से भी। और यह एक अच्छा समय है।

यह दक्षिणी राज्य के लिए अच्छा समय है। यह समृद्धि का समय है। यह सापेक्षिक शांति का समय है।

हालाँकि, प्रथम इतिहास 19 हमें यह भी संकेत देता है कि उत्तर के साथ उसका गठबंधन कुछ ऐसा नहीं था जिससे प्रभु प्रसन्न थे। और हम समझ सकते हैं कि क्यों। उत्तर बाल पूजा में डूबा हुआ है।

मुझे बस यह फिर से कहना है। मुझे पता है कि मैंने यह पहले ही कह दिया है। अहाब और इज़ेबेल ने बाल पूजा को राज्य धर्म के रूप में आयात किया था।

तो, यहोशापात आखिर क्या कर रहा है, उनके साथ गठबंधन कर रहा है? और फिर भी वह ऐसा करता है। खैर, अब हम उत्तर की ओर बढ़ेंगे और अपना बाकी समय उत्तर की ओर बिताएंगे। हमारे पास अहाब है, और हम पहले ही पता लगा चुके हैं कि अहाब एक बुनियादी रूप से दुष्ट व्यक्ति है।

और हम सिर्फ़ दो चीज़ों पर नज़र डालने जा रहे हैं, तीन सटीक, तीन घटनाएँ जो हमें अहाब के जीवन के बारे में अलग-अलग तरीकों से बताती हैं। पहली एक अंतरराष्ट्रीय तरह की चीज़ है। पहला इतिहास, माफ़ करें, मेरा मतलब है दूसरा राजा, अध्याय 20, नहीं, चलिए इसे फिर से आजमाते हैं।

प्रथम राजा, अध्याय 20, मैं इसे सही से समझूंगा। प्रथम राजा, अध्याय 20 हमें बताता है कि वह काफी सफल है, कम से कम इस समय में। वह अहाब और बेन-हदाद को हरा देता है।

क्या तुम लोग जाग रहे हो? मैं नहीं जाग रहा हूँ। अहाब ने असीरिया के राजा बेन-हदाद को हराया। किसी भी हालत में, युद्ध के सामान्य नियमों के अनुसार, उसे बेन-हदाद को खत्म कर देना चाहिए था।

वह उसे आज़ाद कर देता है। और भगवान उसे चेतावनी देने के लिए एक भविष्यवक्ता की आवाज़ भेजते हैं। भविष्यवक्ता घायल होने और इसी तरह की अन्य बातों के बारे में एक छोटा सा दृष्टांत बताता है और राजा से कहता है, जैसे ही राजा चल रहा होता है, ठीक है, मेरे साथ ऐसा हुआ क्योंकि मैं किसी ऐसे व्यक्ति का पता नहीं लगा पाया जिस पर मुझे नज़र रखनी थी, और बेशक राजा नाराज़ हो जाता है, और फिर भविष्यवक्ता कहता है, यह तुम हो, तुमने बेन-हदद को उस तरह से नहीं संभाला जैसा तुम्हें करना चाहिए था।

वैसे भी, वहाँ लगातार युद्ध चल रहा है, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप अपने दिमाग में इस बात को उजागर करें, भले ही अहाब इतना दुष्ट है, और हम पहले ही देख चुके हैं कि उसने किस तरह से प्रभु को पूरी तरह से नाराज़ किया। फिर भी, परमेश्वर ने उसके पास भविष्यद्वक्ता भेजना जारी रखा। उसने एलिय्याह को भेजा था, और अब वह इन गुमनाम भविष्यद्वक्ताओं को भेज रहा है।

अहाब को पकड़ने की कोशिश में लगातार हाथ बढ़ाया जा रहा है। उसके निजी जीवन में, अगर निजी जीवन जैसी कोई चीज़ है, तो हम यहाँ कुछ बहुत ही बदसूरत चीज़ें भी देखते हैं क्योंकि जब वह नाबोथ की दाख की बारी नहीं ले पाता है तो वह गुस्से से पागल हो जाता है।

और शायद आप उस कहानी को जानते हों जो 1 राजा अध्याय 21 में है। वह अपना चेहरा दीवार की ओर कर लेता है, यह बताता है कि वह उदास और गुस्से में है। मेरा मतलब है, यह आदमी मूल रूप से एक चिड़चिड़ा, बिगड़ा हुआ आदमी है।

इज़ेबेल बचाव के लिए आती है, वह क्या करती है? यह वास्तव में कपटी रूप से दुष्ट है। इज़ेबेल क्या करती है ताकि नाबोथ को उसका पुरस्कार मिल सके? माफ़ करें, अहाब नाबोथ की पुरस्कार वाली दाख की बारी ले सकता है। क्रिस, क्या तुमने अपना हाथ ऊपर उठाया था? हाँ, उसने उसे मार डाला, लेकिन क्या तुमने देखा कि वह यह कैसे करती है? यह वास्तव में धिनौना है। वह कहती है, उपवास की घोषणा करती है।

दूसरे शब्दों में, एक बहुत ही धार्मिक दिखने वाली चीज़ स्थापित करें, है न? और फिर दो लोगों को उस पर भगवान को शाप देने का आरोप लगाना। मेरा मतलब है, यह धिनौना काम है। वह नाबोथ की मौत लाने के लिए सबसे भयानक तरीकों से टोरा का उपयोग कर रही है, ताकि अहाब को उसका अंगूर का बाग मिल सके।

और, बेशक, यह सब होने के बाद, इस संबंध में एक भविष्यवाणी की गई है, और यह एक चौंकाने वाली भविष्यवाणी है। एलिय्याह ने उससे कहा, श्लोक 21, मैं तुम्हारे ऊपर विपत्ति लाने जा रहा हूँ। श्लोक 22: मैं तुम्हारे घर को यारोबाम और सदोम और नबात के घर जैसा बना दूँगा।

पद 23 में, कुत्ते इज़ेबेल को यिज़्रेल की दीवार के पास खा जाएँगे। कुत्ते अहाब के लोगों को खा जाएँगे जो शहर में मर जाएँगे, और आकाश के पक्षी उन लोगों को खा जाएँगे जो देश में मर जाएँगे, जितना संभव हो उतना शर्मनाक। आप में से जिन्होंने अपनी नीतिवचन पुस्तिका उस कहावत पर लिखी है जो कहती है, जो अपने पिता का मज़ाक उड़ाता है, उसकी आँखें आकाश के पक्षी नोच लेंगे।

यह बहुत ही शर्मनाक है, क्योंकि इस व्यक्ति को दफनाया नहीं जा रहा है। और इसी तरह, इस मामले में, वहाँ कोई सम्मान नहीं है। और फिर मैंने श्लोक 25 पर गौर किया, अहाब जैसा कोई आदमी कभी नहीं था जिसने अपनी पत्नी इज़ेबेल के उकसावे पर, प्रभु की नज़रों में बुराई करने के लिए खुद को बेच दिया।

उसने मूर्तियों के पीछे जाकर सबसे धिनौना व्यवहार किया। एक धिनौने समाधि-लेख की बात करें। यह एक बहुत ही धिनौना तरीका है।

खैर, अंत में, तीसरा छोटा सा विवरण जिस पर हम नज़र डालने जा रहे हैं, वहाँ और भी चीज़ें हैं, लेकिन ये तीन हैं जिन पर हम ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, वास्तव में यहोशापात के साथ यह गठबंधन है। और मैं इस पर थोड़ा समय बिताना चाहता हूँ। क्या हो रहा है? अभी दुश्मन कौन है? वे किसके खिलाफ़ गठबंधन कर रहे हैं? तार्किक उत्तर क्या है? सीरिया, ठीक है।

वे सीरिया के खिलाफ़ गठबंधन कर रहे हैं। आश्चर्य की बात नहीं है कि यह संघर्ष आगे-पीछे होता रहा है, अध्याय 20 और आगे, और इसी तरह। अब, यहोशापात को अहाब के साथ लड़ने के लिए राजी कर लिया गया है।

वे कहाँ लड़ रहे हैं? वे अंततः सुदूर गिलियड में जाकर लड़ने जा रहे हैं। याद रखें, वह हमेशा केंद्र बिंदु होता है। यह हमारे जेहू आख्यान में संघर्ष का स्रोत बनने जा रहा है।

लेकिन अब वे शहर के फाटक पर हैं। क्या हुआ? मीकायाह कौन है? अंदाज़ा लगाइए। वह भविष्यवक्ता है, है न? अगर वह भविष्यवाणी कर रहा है।

कहानी इस तरह आगे बढ़ती है। यहोशापात कहता है, क्या हमें किसी भविष्यवक्ता से सलाह नहीं लेनी चाहिए कि जाना है या नहीं? और सभी दरबारी भविष्यवक्ता कह रहे हैं, ज़रूर, आगे बढ़ो, तुम लड़ने जा रहे हो, तुम जीतने जा रहे हो, कोई समस्या नहीं है, तुम वहाँ मौजूद किसी भी सीरियाई को हरा दोगे। और यहोशापात थोड़ा और ज़ोर देता है और कहता है, प्रभु के भविष्यवक्ता के बारे में क्या ख्याल है? और फिर अहाब क्या कहता है? उनमें से एक आस-पास है, लेकिन वह मेरे बारे में कभी कुछ ऐसा नहीं कहता जो मुझे पसंद हो।

मैं उससे नफरत करता हूँ। लेकिन यहोशापात थोड़ा उकसा रहा है। और इसलिए, वे मीकायाह को लाते हैं, और मीकायाह को लेने गए दूत कहते हैं, यहाँ भविष्यवक्ता क्या कह रहे हैं, सबटेक्स्ट, बेहतर होगा कि आप भी वही बात कहें।

मीकायाह कहता है कि मैं केवल प्रभु की ओर से बोल सकता हूँ। लेकिन वह अहाब की उपस्थिति में आता है, और वह क्या कहता है? सबसे पहले, वह वही कहता है जो पहले के भविष्यवक्ताओं ने कहा था, उनकी नकल करते हुए: जाओ और सफल हो जाओ। लेकिन उसके लहजे में कुछ ऐसा है जो इस बात का संकेत देता है कि यह सच नहीं है।

क्योंकि अहाब कहता है, मैं तुम्हें शपथ देता हूँ कि मुझसे सच बोलो। और फिर मीकायाह क्या कहता है? आइए पाठ पढ़ें। यह काफी सशक्त है।

अध्याय 22, प्रथम राजा की आयत 17 में मैंने देखा कि सारा इस्राएल बिना चरवाहे की भेड़ों की तरह पहाड़ियों पर बिखरा पड़ा है। इसका मतलब है कि अब उनके पास कोई राजा नहीं है, चरवाहा राजा का प्रतीक है। अहाब को इसी का सामना करना पड़ेगा।

वह मरने वाला है। लेकिन चलो चलते रहें। इस्राएल का राजा, जो अहाब है, यहोशापात से कहता है, क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि मैंने कभी अपने बारे में कुछ भी अच्छा भविष्यवाणी नहीं की? लेकिन मीकायाह आगे बढ़ता है, और मैंने देखा कि प्रभु अपने सिंहासन पर बैठे हैं और स्वर्ग के सभी सेनाएँ उनके चारों ओर उनके दाहिने और बाएं तरफ खड़ी हैं।

और प्रभु ने कहा, कौन अहाब को गिलाद के सुदूर इलाके पर हमला करने और वहाँ उसकी मृत्यु के लिए फुसलाएगा? एक ने यह सुझाव दिया, और दूसरे ने वह सुझाव दिया। और अंत में, आत्मा। मुझे पता है कि आपके NIV में आत्मा का उल्लेख है, लेकिन वहाँ एक निश्चित लेख है। अंत में, आत्मा आगे आई और प्रभु के सामने खड़ी हुई और कहा, मैं उसे फुसलाऊँगी। मैं सभी भविष्यद्वक्ताओं के मुँह में एक झूठी आत्मा बनूँगी।

तुम सफल होगे, प्रभु कहते हैं। जाओ और यह करो। इसलिए अब प्रभु ने इन सभी भविष्यद्वक्ताओं के मुँह में एक झूठ बोलने वाली आत्मा डाल दी है। प्रभु ने तुम्हारे लिए विपत्ति का आदेश दिया है।

अब आप बस वहाँ बैठे सोच रहे हैं, अच्छा, यह उबाऊ है। सोचिए क्या हो रहा है। सबसे पहले मीकायाह ने यहाँ स्वर्ग का दर्शन देखा है।

और स्वर्ग में यह बातचीत होती है। और इसमें कुछ छल-कपट शामिल है। वहाँ एक आत्मा है जो बाहर जा रही है और परमेश्वर झूठ बोलने की अनुमति दे रहा है।

और सभी भविष्यद्वक्ताओं के मुँह में झूठ बोलने वाली आत्मा बनो। आप देखिए क्या होता है। हालाँकि मीकायाह यह बात अहाब को बताता है, फिर भी वह क्या करता है? मेरा मतलब है, अहाब की प्रतिक्रिया बिल्कुल आकर्षक है। अहाब क्या करता है? इसका मतलब है कि वह संदेश को गंभीरता से ले रहा है, लेकिन वास्तव में नहीं।

वह क्या करता है? यह भी यहोशापात की संभावित मूर्खता को प्रमाणित करता है। क्या वे युद्ध में जाते हैं? कितने लोग हाँ कहते हैं? वे युद्ध में जाते हैं, है न? भले ही संदेश दिया गया हो कि अहाब गिलाद के रामोत में युद्ध में मरने वाला है। वे फिर भी जाते हैं।

लेकिन हम किस हद तक देख सकते हैं कि शायद अहाब इस संदेश से परेशान हो गया है? वह क्या करता है? वह भेष बदलकर जाता है, यह सोचकर कि, मैं प्रभु को धोखा देने जा रहा हूँ; कोई समस्या नहीं, मैं इससे बच सकता हूँ।

मैं इसे नकली बना सकता हूँ। और फिर इसका दूसरा पहलू यह है कि वह यहोशापात को क्या करने के लिए कहता है? तुम शाही वस्त्र पहनो। दूसरे शब्दों में, तुम वह व्यक्ति हो जिसे हर कोई पाने की कोशिश करेगा।

और बेशक, शुरू में यही होता है। क्योंकि सीरियाई लोगों को बताया गया है कि उन्हें सिर्फ़ इसराइल के राजा के पीछे जाना है। और वे सोचते हैं कि जब तक यहोशापात उन्हें मना नहीं लेता, तब तक वह इसराइल का राजा नहीं है।

संभवतः, यहोशापात को ऐसा करना ही होगा। यदि वह गठबंधन में दोनों में से कमतर है, तो हो सकता है कि उसे वही करना पड़े जो अहाब उसे करने के लिए कहता है। लेकिन क्या यह दिलचस्प नहीं है कि अहाब इस संदेश को गंभीरता से लेता भी है और नहीं भी? और एक तीरंदाज के अचानक किए गए हमले के परिणामस्वरूप, वह वहीं अपनी जान गंवा देता है।

रंगीन कांच की खिड़कियों को हटा सकते हैं और पहचान सकते हैं कि यहाँ कुछ वाकई अविश्वसनीय चीज़ें हो रही हैं। इंसानों के संदर्भ में, सही शब्द क्या है? धोखे और मानवीय योजनाएँ और मानवीय षडयंत्र।

इसके अलावा, परमेश्वर की संप्रभुता इस प्रक्रिया में सभी को प्रभावित करती है। किसी भी मामले में, यह हमारे अहाब का उदाहरण है। मैं आपको बस यह बताना चाहता था कि शहर के द्वार कैसे दिखते थे।

वैसे, यह दान में स्थित है। इस्राएली काल का शहर का दरवाज़ा। पुरातत्वविदों को यहाँ क्या मिला है, यह बताया गया है।

हमारे एक शिक्षक वहाँ खड़े हैं। यह वह क्षेत्र है। यहीं वह मंच होगा जहाँ संभवतः किसी राजा या किसी व्यक्ति का सिंहासन स्थापित होगा।

और लोग तब आते थे और इस व्यक्ति के पास अपनी याचिकाएँ लेकर आते थे। क्योंकि उन्हें एक स्तंभ का आधार मिला, जो एक प्राकृतिक आधार है, उन्होंने वास्तव में उस दृश्य का पुनर्निर्माण किया है जो इस शहर के द्वार पर रहा होगा। स्तंभ आधार।

खंभे जो छतरी को सहारा देते हैं क्योंकि मौसम थोड़ा गर्म हो सकता है। व्यक्ति यहीं नीचे बैठा है। याचिकाकर्ता इस पूरे कोबलस्टोन क्षेत्र में चल रहे हैं।

ठीक वहाँ, आप एक बेंच के छोटे-छोटे टुकड़े देख सकते हैं जहाँ दूसरे लोग भी बैठे होंगे। अब, बस आपके लिए एक छोटा सा कनेक्शन बनाने के लिए। इसके ठीक पीछे, दूसरे शब्दों में, अगर आप उस गेट का सामना कर रहे हैं, जैसा कि आप कर रहे हैं, प्लाजा के दूसरी तरफ, जो यहीं है, वह कमरा है जहाँ तेल दान शिलालेख पाया गया था।

तो, यह दान के इस शहर के गेट क्षेत्र में पाया गया था। खैर, हमें एलीशा की ओर बढ़ते रहना चाहिए। एलीशा उत्तरी राज्य में हो रही कुछ भयानक चीजों में एक उज्वल प्रकाश है।

एलीशा को एलिय्याह की आत्मा का दुगना हिस्सा मिलता है। मैं 2 राजाओं के अध्याय 2 को पूरा नहीं पढ़ने जा रहा हूँ, लेकिन अगर आपने इसे अभी तक नहीं पढ़ा है, तो इसे पढ़ते समय अपने एंटेना को ऊपर रखें क्योंकि यह शैलीबद्ध, संरचित साहित्य का एक अद्भुत टुकड़ा है। जैसे-जैसे आप इसे पढ़ते हैं, आप कुछ भावों को बार-बार दोहराते हुए देखते हैं क्योंकि एलिय्याह और एलीशा धीरे-धीरे इज़राइल से जॉर्डन नदी की ओर बढ़ते हैं।

और भविष्यवक्ताओं के साथ उनकी बातचीत और एक दूसरे के साथ उनकी बातचीत हमेशा एक जैसी ही होती है। एक ही भाषा। क्योंकि हम एलिय्याह और एलीशा के साथ कहीं जा रहे हैं।

और एलीशा जानता है कि कुछ अविश्वसनीय होने वाला है, लेकिन ठीक से नहीं जानता कि क्या होगा। वे जॉर्डन नदी पार करते हैं। वे जॉर्डन नदी को कैसे पार करते हैं? यह दो भागों में विभाजित हो जाती है, है न? और फिर दूसरी तरफ क्या होता है? खैर, अगर आप अध्याय 2 में हैं, तो अध्याय 2, श्लोक 8 में पानी विभाजित है। वे सूखी जमीन पर पार करते हैं।

मुझे उम्मीद है कि आपको कुछ अन्य बातों की प्रतिध्वनियाँ मिल रही होंगी जहाँ सूखी ज़मीन पर क्रॉसिंग हुई है, दोनों ही तरह के पलायन और जॉर्डन नदी को पार करके वादा किए गए देश में प्रवेश करना। और फिर एलीशा कहता है, मुझे अपनी आत्मा का दुगना हिस्सा विरासत में दो। और एलिय्याह कहता है, अगर तुम मुझे ले जाए जाने पर देखोगे, तो यह वास्तव में होगा।

जब वे साथ-साथ चल रहे थे और बातें कर रहे थे, अचानक, अग्नि का एक रथ और अग्नि के घोड़े प्रकट हुए, और उन्होंने उन दोनों को अलग कर दिया। और एलिय्याह एक बवंडर में स्वर्ग में चला गया। और फिर उसे आत्मा का दोगुना हिस्सा मिलता है।

वह जॉर्डन के किनारे वापस जाता है, नदी पार करता है, और अगले चार अध्यायों में हमारे पास कुछ बहुत ही दिलचस्प चमत्कार हैं। मैं उनके बारे में विस्तार से नहीं बताने जा रहा हूँ, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप एक बात पर ध्यान दें। आमतौर पर, जब हम इन दो भविष्यवक्ताओं के बारे में बात करते हैं तो एलिय्याह को प्रमुखता मिलती है।

लेकिन अगर आप शास्त्रों में दर्ज चमत्कारों को देखें, तो एलीशा ही वह व्यक्ति है जिसके पास चमत्कारों का एक पूरा समूह है जो वास्तव में संख्या में और मात्रा में भी अधिक है, गुणवत्ता, गुणात्मक प्रकार की चीजें। ये दोनों चमत्कार वास्तव में दिखते हैं, और चमत्कार करने वाले ये दोनों व्यक्ति वास्तव में यीशु द्वारा किए जाने वाले कार्यों की प्रतीक्षा करते हैं। वैसे, अगर आपको एलिय्याह और एलीशा को सीधे रखने में परेशानी हो रही है, तो यह एक समस्या थी।

बस याद रखें, वर्णमाला में J, SH से पहले आता है। J वह है जो पहले जी रहा है। एलीशा एलिय्याह से विरासत में मिलेगा।

खैर, वह भोजन उपलब्ध कराने जा रहा है, वह पानी उपलब्ध कराने जा रहा है। वह 100 लोगों को जौ की रोटी भी खिलाता है। यह हमारे विचारों को जॉन 6 की ओर ले जाता है, है न, जब यीशु 5,000 लोगों को खाना खिला रहा है।

वह एक मरे हुए व्यक्ति को जीवित करता है। एलिय्याह ने ऐसा किया था। एलीशा भी ऐसा करता है।

आपको कहानी याद होगी। बस शूनेम को यहाँ रखिए। यह महिला और उसका पति जिसने एलीशा के रहने के लिए जगह बनाई थी, क्योंकि वह यहाँ-वहाँ आता-जाता रहता था, और वह किसी तरह से उसका ऋण चुकाना चाहता था।

तो, वह कहता है, मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ? और इसका सार यह है कि वह प्रार्थना करता है कि उन्हें एक बेटा हो, और उन्हें एक बेटा होता है। लेकिन क्या होता है? बेटा मर जाता है, और एलीशा माउंट कार्मेल से आता है, यिज्जेल घाटी को पार करता है, और उस बेटे को मृतकों में से जीवित करता है। लूका 7 में क्या होता है? क्या कोई जानता है? आप इसे बाद में देख सकते हैं।

यीशु नाईन नामक एक छोटे से शहर में आते हैं। मैं आपको एक पल में एक नक्शा दिखाने जा रहा हूँ ताकि आप देख सकें कि भूगोल के लिहाज से यह कितना महत्वपूर्ण है। यीशु नाईन नामक एक छोटे से शहर में आते हैं, और वहाँ एक महिला है जिसका बेटा अभी-अभी मरा है।

वह विधवा थी। यीशु ऊपर जाता है और बियर को छूता है, अशुद्धता के संपर्क में आता है, अगर आपने इसे नहीं समझा है, और बेटा मृतकों में से जी उठता है। वह उठकर बैठता है, और वह जीवित है।

और लोग क्या कहते हैं? ओह, मेरे सितारे और गार्टर, हमारे बीच एक पैगम्बर है। यह मेरी दादी की अभिव्यक्तियों में से एक है। मैंने सोचा कि मैं आपको थोड़ा जगा दूँ।

वे कहते हैं कि यहाँ एक भविष्यवक्ता है। वे ऐसा क्यों कह रहे हैं? क्योंकि ठीक 800 साल पहले, जब एलीशा ने किसी को मृतकों में से जीवित किया था, तब भी यही हुआ था। हम थोड़ी देर में मानचित्र देखेंगे।

यह एक बहुत बड़ा चमत्कार है। लेकिन ध्यान दें कि ये उन चीज़ों की झलकियाँ हैं जो यीशु करेंगे। वह नामान को चंगा करता है।

नामान की समस्या क्या है? उसे कुष्ठ रोग है, है न? और वह दूर से आया है, सीरिया से। वह दुश्मन है। क्या तुम्हें समझ में आया? वह दुश्मन सेना का एक जनरल है।

एक छोटी दासी लड़की जो पकड़ी गई थी और उसके घर में रह रही थी, उसने कहा, अरे, तुम्हें वाकई इस बारे में कुछ करना चाहिए और जाकर देखना चाहिए कि तुम्हें इसराइल में क्या मिल सकता है जो तुम्हारी मदद करेगा। एक अंधेरे इलाके में गवाह होने की बात करें। वह वहाँ है।

नामान को कोढ़ से मुक्ति मिली। यीशु ने भी बड़ी संख्या में लोगों को कोढ़ से मुक्ति दिलाई। और फिर हमारे पास यह उदाहरण है जहाँ एलीशा के पास दुश्मनों को चकमा देने का कुछ ज्ञान था।

वास्तव में, यह उस बिंदु तक पहुँच जाता है जहाँ सीरिया का राजा कहता है, वह व्यक्ति कौन है जो देशद्रोही है? कौन जानकारी दे रहा है? कौन मेरी सारी हरकतों के बारे में बता रहा है? और लोगों को पता है कि यह एलीशा है। ठीक है। किसी भी दर पर, वह जो आखिरी काम करता है वह अप्रत्यक्ष है, और हम बस 2 राजाओं के अध्याय 9 की ओर मुड़ना चाहते हैं।

भविष्यवक्ता एलीशा ने भविष्यवक्ताओं की टोली में से एक व्यक्ति को बुलाया। यह व्यक्ति गुमनाम रहने वाला है, लेकिन उसे एलीशा द्वारा आदेश दिया जा रहा है, मुझे कहना चाहिए कि उसे नियुक्त किया गया है। अपनी कमर में अपना लबादा बाँध लो, तेल की यह कुप्पी अपने साथ ले लो, बेशक, यह गिलाद का सुदूर इलाका है।

यहीं पर सारी लड़ाइयाँ होती हैं, और येहू सेना का सेनापति है। जब तुम वहाँ पहुँचो, तो येहू को ढूँढो, जो निमशी के पोते, यहोशापात का बेटा है, उसके पास जाओ, उससे दूर हो जाओ, उसे उसके साथियों से दूर करो, फिर कुप्पी लो, उसके सिर पर तेल डालो, और घोषणा करो, मैं तुम्हें इस्राएल का राजा अभिषेक करता हूँ। फिर, दरवाज़ा खोलो और भाग जाओ क्योंकि उसकी जान संभवतः खतरे में होगी।

अब, यह एलीशा का अनाम भविष्यवक्ता को दिया गया आदेश है। अनाम भविष्यवक्ता कुछ और भी कहता है। ध्यान दें, जब येहू उसके साथ घर में जाता है, बाकी सबकी आवाज़ों से दूर, मैं अब आयत 6 में हूँ, भविष्यवक्ता कहता है, एलीशा ने जो कहा था, उसके अनुसार, मैं तुम्हें प्रभु के लोगों इस्राएल का राजा अभिषेक करता हूँ।

और अब श्लोक 7 और उसके बाद। तुम्हें अपने स्वामी अहाब के घराने को नष्ट करना है। मैं अपने सेवकों, भविष्यवक्ताओं और यहोवा के सभी सेवकों के खून का बदला लूँगा जो ईज़ेबेल ने बहाया था।

अहाब का पूरा घराना नष्ट हो जाएगा। और फिर, पद 9 में, मैं अहाब के घराने को नबात के बेटे यारोबाम के घराने जैसा बना दूँगा। पद 10 में, ईज़ेबेल के बारे में, कुत्ते उसे यिज़्रेल की भूमि पर खा जाएँगे, और कोई भी उसे दफ़न नहीं करेगा।

क्या आपको याद है कि एलिजा ने इस बारे में बात की थी? तो हमें यहाँ इस तरह की भविष्यवाणी की निरंतरता मिली है कि क्या होने वाला है। यह एलीशा का अंतिम कार्य नहीं है, लेकिन आखिरी कार्य है जिसे हम देखने जा रहे हैं। मैं अभी उस कहानी के लिए थोड़ा भौगोलिक संदर्भ प्राप्त कर

रहा हूँ जिसका मैंने आपको कुछ क्षण पहले उल्लेख किया था; यहाँ शूनेम है, ठीक है? और फिर, अगर आपको याद है, तो यहाँ हमारी यिज़ेल घाटी है, एक प्रमुख युद्ध का मैदान।

हम इस बारे में पहले ही बात कर चुके हैं। यहाँ शूनेम है, पहाड़ी के ठीक पास, वहाँ नैन है। इसे सफ़ेद अक्षरों में देखना मुश्किल है।

शूनेम, नैन। संभवतः कुल मिलाकर 2 1/2, 3 मील की दूरी। यदि आपको पहाड़ के चारों ओर जाना है तो शायद थोड़ी अधिक दूरी भी हो सकती है।

इससे हमें कुछ हद तक समझ में आता है कि लोग क्यों कहते हैं कि यहाँ एक नबी है, जबकि यीशु ने इस युवक को मृतकों में से जीवित किया था। ठीक है, हमारे जेहू अभिषेक के संदर्भ में एक और बात ध्यान में रखने योग्य है, सुदूर गिलाद यहीं पर है। यहाँ यिज़ेल है जहाँ वे सभी रह रहे हैं, और इसलिए जेहू के रूप में, और यही वह कथा है जिसे हम बस एक पल में देखने जा रहे हैं, क्योंकि जेहू का अभिषेक यहाँ सुदूर गिलाद में किया जाता है, वह अपने रथ को वहाँ से घाटी तक ले जाने वाला है, और वे उसे आते हुए देखते हैं।

येहू किस तरह गाड़ी चलाता है? आपको यह जानना ज़रूरी है। यह बहुत ज़रूरी है। येहू किस तरह गाड़ी चलाता है? एक पागल आदमी की तरह।

वे उसे बहुत दूर से आते हुए जानते हैं क्योंकि, उद्धरण, उद्धरण के बिना, वह पागलों की तरह गाड़ी चलाता है। इसलिए, अगर आप कभी किसी की ड्राइविंग का अपमान करना चाहते हैं जब वे बोस्टन से गुजर रहे हों, तो उन्हें बता दें कि वे जेहू की तरह गाड़ी चलाते हैं। शायद यह बात उन्हें बिल्कुल भी समझ में न आए, लेकिन फिर भी, आपको कुछ मज़ा आएगा।

जैसा कि मैंने अभी कहा, अध्याय 9 और 10 वास्तव में हमें इस भविष्यवाणी और येहू के अभिषेक और आगमन के बारे में बताते हैं। यदि आप वास्तव में इस पूरी बात का पागल हिस्सा देखना चाहते हैं, तो हाँ, हम यहाँ अध्याय 9, श्लोक 20 पर हैं।

चौकीदार ने बताया, गाड़ी चलाने वाला निमशी के बेटे येहू जैसा है। वह पागलों की तरह गाड़ी चलाता है। ठीक है।

जब वह वापस आता है, तो जेहू न केवल इज़ेबेल का ख्याल रखता है। वास्तव में, यह एक बहुत ही भयानक तरह की बात है। इज़ेबेल खिड़की से बाहर देख रही है, उसे आते हुए देख रही है, और वह कहता है, वहाँ ऊपर कौन मूल रूप से मेरी तरफ़ होगा? और इसलिए, कुछ लोग बस पैरापेट पर तस्वीर बनाते हैं, है ना? वह नीचे गिर जाती है।

येहू ने कहा, उसे नीचे फेंक दो। उन्होंने उसे नीचे फेंक दिया। उसका कुछ खून दीवार पर फैल गया।

घोड़ों ने उसे पैरों तले रौंद दिया। और फिर जेहू, क्योंकि वह बहुत दयालु, संवेदनशील और प्रेमपूर्ण आत्मा है, कहता है कि वह अंदर गया और अपना खाना खाया। और फिर वह कहता है, उस महिला का ख्याल रखना।

लेकिन जब वे बाहर आए, तो उन्हें केवल उसके हाथ-पैर और खोपड़ी ही मिली। यह वाकई एक भयानक, वीभत्स तस्वीर है। और वैसे, इस बीच, उसने उत्तर के राजा को भी मार डाला है।

उसने उत्तर के राजा को मार डाला है। इज़ेबेल रानी माँ है। वह उसे मिटा देता है।

वह और क्या करता है? वह ओम्री के राजवंश को पूरी तरह से मिटा देता है। वह और क्या करता है? राजा अहाब के बेटे से छुटकारा पा लेता है। इज़ेबेल से छुटकारा पा लेता है।

अध्याय 10 पर ध्यान दें। सामरिया में अहाब के घराने के 70 बेटे थे। इसलिए, येहू ने पत्र लिखकर सामरिया को भेजे।

वह कहता है, मूल रूप से, अपने स्वामी के सबसे अच्छे और सबसे योग्य बेटे को चुनो, उसे सिंहासन पर बिठाओ, और फिर अपने स्वामी के घर के लिए लड़ो। लेकिन वे बहुत डरे हुए हैं, और यह उनकी सूची बनाता है: महल प्रशासक, शहर के गवर्नर, बुजुर्ग और संरक्षक।

वे कहते हैं, उह-उह। आप जो भी कहेंगे, हम करेंगे। वे रीढ़विहीन किस्म के लोग हैं।

उनमें कोई रीढ़ नहीं है। इसलिए, येहू ने दूसरा पत्र लिखा। यदि तुम मेरी तरफ हो, तो अपने स्वामी के बेटों के सिर लेकर कल इसी समय यिज़्रेल में मेरे पास आओ।

तो, वे क्या करते हैं? वे सभी बेटों का सिर काट देते हैं। वे उन्हें टोकरियों में भरकर ले जाते हैं और शहर के फाटकों पर छिपा देते हैं। और इस तरह, येहू ने अहाब के पूरे वंश को खत्म कर दिया।

राजा, रानी माँ और सभी 70 बेटे अब चले गए हैं। वह सिर्फ़ यही नहीं करता। वह बाल के नबियों को भी खत्म कर देता है।

लेकिन वह यह कैसे करता है? क्या यह सीधे-सीधे, स्पष्ट रूप से होता है? मैरी? हाँ, वह उन्हें धोखा देता है। इस तरह से धोखा देने में वह क्या कहता है? हम बाल के लिए उत्सव मनाने जा रहे हैं। कृपया आइए।

यह बाल की पूजा का सबसे बेहतरीन अनुभव होगा। है न? और फिर, बेशक, पाठ 19वें श्लोक में कहता है कि येहू बाल के सेवकों को नष्ट करने के लिए छल कर रहा था। वह अपने साथियों से कहता है, चारों ओर देखो।

देखो कि तुम्हारे साथ प्रभु का कोई सेवक न हो। और फिर वह लोगों को बाहर तैनात करता है और बाकी लोगों को अंदर भेजता है और कहता है, अंदर जाओ और उन्हें मार डालो, और किसी को भागने मत दो। इस तरह बाल में पूजा का अंत हो जाता है।

श्लोक 28, येहू ने बाल पूजा को नष्ट कर दिया। हालाँकि, यहाँ समस्या है। हालाँकि, यहाँ समस्या है।

वह नबात के बेटे यारोबाम के पापों और सोने के बछड़ों की पूजा से दूर नहीं हुआ। और इसलिए आखिरी, सही शब्द क्या है? येहू पर जूरी, जैसा कि पाठ कहता है, येहू अपने पूरे दिल से प्रभु के कानून का पालन करने के लिए सावधान नहीं था। नतीजतन, हजाएल ने इस्राएलियों पर हावी होना शुरू कर दिया और उत्तरी राज्य के टुकड़े-टुकड़े करना शुरू कर दिया।

खैर, यह येहू है। हमें अभी थोड़ा और काम करना है। हमें अब येहू राजवंश से होते हुए उत्तरी राज्य के विनाश तक पहुँचना है।

ऐसा करने के लिए, हम पहले अध्याय 14 पर जाएँगे, बस आपको याद दिलाते हुए कि हम आज से एक सप्ताह के अंतराल में दक्षिणी साम्राज्य की बात उठाने जा रहे हैं। जेरोबाम द्वितीय, और फिर से, अपने खुद के उद्धरण चिह्नों में दूसरा। मैं 2 राजाओं के अध्याय 14 में हूँ, और मैं बस आपके लिए श्लोक 20 पढ़ना चाहता हूँ।

मैं आपके लिए क्या पढ़ना चाहता हूँ? श्लोक 23 से 25, क्योंकि यह काफ़ी मददगार है। यहूदा के राजा योआश के बेटे अमस्याह के 15वें वर्ष में, योआश का बेटा यारोबाम 41 साल तक राज करता है, सामरिया में राजा बनता है, 41 साल तक राज करता है। अब, कभी-कभी हम थक जाते हैं जब हमारे पास आठ साल का राष्ट्रपतित्व होता है।

यह 41 साल है। ज़रा सोचिए। उसने वही किया जो प्रभु की नज़र में बुरा था।

लेकिन आयत 25 पर ध्यान दें। उस पर नैतिक निर्णय के बाद, वह एक दुष्ट व्यक्ति है। आयत 25 कहती है, वह वही है जिसने लेबो-हमात से लेकर, जो उत्तर में बहुत दूर है, अराबा सागर, मृत सागर तक इस्राएल की सीमाओं को बहाल किया।

प्रभु के वचन के अनुसार, जो उनके सेवक योना, अमितै के पुत्र, गथ-हेफर के भविष्यवक्ता के माध्यम से बोले गए थे। क्या यह आपके लिए कोई विहित घंटी बजा रहा है? जब हम लगभग डेढ़ सप्ताह में अपने भविष्यवक्ता योना को पढ़ेंगे, तो हम पाएंगे कि वह अमितै का पुत्र है। यह संभवतः वही योना है।

हर कोई इस पर सहमत नहीं होगा, लेकिन मुझे लगता है कि बेटा ही वह चीज है जो शायद हमें आश्चर्य करती है। और इसलिए, हमारे पास योना की भविष्यवाणी है जो इस समय के विशेष बिंदु पर है, और उसने इस पुनर्स्थापना के बारे में कुछ कहा है, कुछ ऐसा जो योना की हमारी लिखित भविष्यवाणी में नहीं दिखता है, जो कि इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के वचन के अनुसार है। इसलिए हमारे पास यारोबाम द्वितीय के अधीन कुछ दिलचस्प चीजें चल रही हैं।

यह बहुत समृद्ध समय है। फिर से, यह सतह पर बहुत अच्छा लगता है, और फिर भी सभी प्रकार की बुराई चल रही है। होशे और आमोस भी इस समय के दौरान भविष्यवाणी कर रहे होंगे, और उन दोनों के पास यारोबाम के बारे में कहने के लिए बहुत अच्छी बातें नहीं हैं।

जब हम खास तौर पर आमोस के बारे में बात करते हैं, तो हमें नबात के बेटे यारोबाम यानी यारोबाम I और यारोबाम II के बीच कुछ दिलचस्प संबंध देखने को मिलेंगे। आमोस, यहूदा के अनाम भविष्यवक्ता के समान है। लेकिन उस पर ध्यान दें।

यह आ रहा है। ठीक है। कहीं न कहीं हमारे पास हाँ है।

यदि आप 2 राजा 15 को पढ़ेंगे, तो आपको यह समझ में आ जाएगा कि उत्तरी राज्य में हालात कितने निराशाजनक हो गए हैं। ठीक है? संभवतः यहाँ जो हो रहा है, और मैंने कक्षा की शुरुआत में यह कहा था, उत्तरी राज्य खुद ही टूट गया है। और इसलिए, ये सभी व्यक्ति जो सूचीबद्ध हैं, अजर्याह, जकर्याह, शालेम, मेनाकेम, इस्राएल के राजा, ठीक से, पेकहियाह, पेकह, ये सभी लोग संभवतः पूरे राज्य पर शासन नहीं कर रहे हैं।

यह संभवतः खंडित है, और वे इसके अलग-अलग हिस्सों पर काम कर रहे हैं। लेकिन यह कई कारणों से पूरी तरह से क्षय का समय है। सीरिया के साथ गठबंधन, जिसके बारे में मैंने दूसरा उल्लेख किया है, कुछ ऐसा है जिस पर हम अगली बार चर्चा करेंगे, क्योंकि मैं यहाँ इसका संक्षिप्त उल्लेख करूँगा।

यहाँ राजाओं के इस पूरे अंतिम समूह के दौरान, एक समय ऐसा आएगा जब उत्तरी राज्य सीरिया के साथ मिलकर काम करना चाहेगा। वे ऐसा करते हैं, और इससे यहूदा को असीरिया से अपील करनी पड़ेगी। क्या मैं यह समझ रहा हूँ? दूसरे शब्दों में, छोटा यहूदा महाशक्ति असीरिया से अपील कर रहा है।

यह पूरा दिलचस्प भू-राजनीतिक गठबंधन यशायाह की पुस्तक में एक आकर्षक भविष्यवाणी के लिए मंच बनने जा रहा है। हम बाद में इस पर आएंगे। किसी भी दर पर, टिग्लथ पिलेसर III, हम उत्तर पर आक्रमण करेंगे, और पुराने नियम के समानांतरों में इसके बारे में सब कुछ पढ़ेंगे।

2 राजाओं के अध्याय 17 में, हमारे पास एक बहुत ही गंभीर कथन है। मैं आपके लिए इसका अधिकांश भाग पढ़ने जा रहा हूँ क्योंकि इससे हमें यह पता चलता है कि क्या हो रहा है। अध्याय 17, पद 3, सबसे पहले, अशशूर का राजा शलमनेसर होशे पर हमला करने आया।

वह शालमनेसर का जागीरदार था। लेकिन अब पिंचर्स आ रहे हैं। अशशूर के राजा को पता चला कि होशे एक गद्दार था।

इसलिए, शालमनेसर ने उसे पकड़ लिया। ये बड़ी राजनीतिक बातें हैं जिनके तहत छोटा इस्राएल जीवित रहने की कोशिश कर रहा है। अंत में, श्लोक 7 में, हमारे पास निंदा का कथन है।

यह सब इसलिए हुआ क्योंकि इस्राएलियों ने अपने परमेश्वर यहोवा के विरुद्ध पाप किया था। और मैं पढ़ना जारी रखूँगा। और इसे अपने दिमाग से कहीं दूर न जाने दें।

इस बात को गहराई से समझिए कि वे क्या कर रहे हैं। वे दूसरे देवताओं की पूजा करते थे। वे उन राष्ट्रों के तौर-तरीकों का अनुसरण करते थे जिन्हें प्रभु ने उनके सामने से खदेड़ दिया था।

पद 9 में इस्राएलियों ने गुप्त रूप से अपने परमेश्वर यहोवा के विरुद्ध ऐसे काम किए जो सही नहीं थे। उन्होंने अपने सभी नगरों में ऊँचे स्थान बनाए। उन्होंने हर ऊँची पहाड़ी पर और हर फैले हुए पेड़ के नीचे पवित्र पत्थर और अशेरा के खंभे स्थापित किए।

उन्होंने हर ऊँचे स्थान पर धूप जलाया। उन्होंने दुष्टतापूर्ण काम किए जिससे यहोवा क्रोधित हुआ। उन्होंने मूर्तियों की पूजा की, हालाँकि यहोवा ने कहा था कि तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

जैसा कि हम देख चुके हैं, परमेश्वर ने अपने भविष्यद्वक्ताओं और द्रष्टाओं के माध्यम से इस्राएल और यहूदा को बार-बार चेतावनी दी। लेकिन उन्होंने नहीं सुना। वे अपने पूर्वजों की तरह ही हठी थे, जिन्होंने अपने परमेश्वर यहोवा पर भरोसा नहीं किया।

उन्होंने उसके आदेशों को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने वाचा को अस्वीकार कर दिया। अब, श्लोक 16, मैं थोड़ा सा छोड़ रहा हूँ।

उन्होंने अपने परमेश्वर यहोवा की सारी आज्ञाओं को त्याग दिया, और अपने लिए बछड़ों के आकार की दो मूर्तियाँ बना लीं, अशेराह की मूर्तियाँ बना लीं, और सभी नक्षत्रों के सामने झुक गए। उन्होंने बाल की पूजा की। उन्होंने अपने बेटे-बेटियों को आग में बलि चढ़ाया।

उन्होंने भविष्यवाणी और जादू-टोना किया और खुद को प्रभु की नज़रों में बुराई के हवाले कर दिया, जिससे प्रभु क्रोधित हो गए। इसलिए, प्रभु बहुत क्रोधित हुए और उन्हें अपनी उपस्थिति से दूर कर दिया। अब, मैं जानता हूँ, उस पाठ को सुनकर, आप बस यही कह रहे हैं, ठीक है, यह थोड़ा नीरस है क्योंकि आपने ये बातें लगभग तीन बार कही हैं।

शास्त्र हमें यह स्पष्ट रूप से बताते हैं कि परमेश्वर की दृष्टि में यह सब कितना घृणित है। वे हर तरह की मूर्तिपूजा में लिप्त हो सकते थे, उन्होंने ऐसा किया। यह न्यायियों की पुस्तक की पुनरावृत्ति है, है न, जब हमने उन्हें पाप में और भी अधिक डूबते देखा।

और, बेशक, एक पल के लिए भी यह मत सोचिए कि यह हमारे लिए एक विदेशी स्थिति है। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे हम अपने स्वयं के संदर्भों को देख सकते हैं, खुद को और भी गहराई से खोदकर उन चीजों में जो हमारे आस-पास के राष्ट्र कर रहे थे, और हम भी उसी रास्ते पर गिरते हैं। त्रासदी क्या है? इज़राइल के इतिहास के लिए इसका दुखद पहलू यह है कि आगे क्या होता है।

असीरिया के राजा की एक नीति है। यह एक दिलचस्प नीति है। यह ऐसी नीति है जिसे बाद में फारसी साम्राज्य रद्द करने जा रहा है।

लेकिन किसी भी तरह से, असीरियन लोगों को उनकी पहचान की भावना को खत्म करने के लिए उनकी भूमि से बाहर ले गए। और यही वह बात है जिसके बारे में मेरे तीरों का छोटा सा सेट है। राष्ट्रीय संस्थाओं ने भूमि के साथ अपने संबंधों में अपनी पहचान पाई।

आज हम इसे समझ भी नहीं पाते, क्योंकि हमारी संस्कृति बहुत गतिशील है। हर कोई हर समय हर जगह घूम रहा है। लेकिन अगर आप दुनिया के दूसरे हिस्सों में जाएँ जहाँ लोग वास्तव में अपनी ज़मीन और अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े हुए हैं, तो हम इसे थोड़ा बेहतर समझ सकते हैं।

यह उस समय भी सच था। इसलिए जब असीरियन आए, तो उन्होंने सोचा कि हम इन लोगों की पहचान की भावना को बहुत हद तक बर्बाद कर सकते हैं, बस उन्हें ज़मीन से उखाड़कर, उन्हें कहीं और ले जाकर, और फिर उन्हें इसराइल के राज्य में फिर से स्थापित करके वहाँ के लोगों की पहचान को बर्बाद कर सकते हैं। इसलिए, यह आबादी का एक पूरा आंदोलन है जो उनकी पहचान और राष्ट्रीय भावना को बर्बाद कर रहा है।

दूसरी बात जो इसमें शामिल है, और जैसा कि आप अध्याय 17 के बाकी हिस्से को पढ़ते हैं, यह बहुत स्पष्ट हो जाता है, न केवल भूमि और पहचान एक बड़ी बात थी, बल्कि उन लोगों के देवताओं को भी स्थानीय माना जाता था। दूसरे शब्दों में, किसी दिए गए स्थान, किसी दिए गए भूमि में उनकी पहचान का हिस्सा। अध्याय 17 के दूसरे भाग में जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए यही पृष्ठभूमि है।

वे यहोवा के पुजारियों को क्यों लाते हैं? अच्छा, मैं आपको पढ़कर सुनाता हूँ। अशूर के राजा ने, पद 24, इन सभी लोगों को लाया था और उन्हें फिर से बसाया था, उन कारणों से जिन्हें मैंने अभी आपको बताने की कोशिश की है। पद 25, जब वे पहली बार वहाँ रहते थे, तो उन्होंने प्रभु की आराधना नहीं की।

इसलिए, उसने उनके बीच शेर भेजे, और उन्होंने कुछ लोगों को मार डाला। जब यह बात अशूर के राजा को बताई गई, तो उसने क्या कहा? ओह, ठीक है, ऐसा इसलिए है क्योंकि वे नहीं जानते कि उस देश के देवता की पूजा कैसे की जाती है। चलो कुछ पुजारियों को वापस भेजते हैं और उन्हें सिखाते हैं।

इसलिए, उसे यह अहसास हुआ कि जिस ईश्वर की पहचान इसराइल से की जाती थी, वह स्थानीय रूप से भी वहाँ था, और उन्हें बस कुछ पुजारियों को वापस भेजना था, उन्हें सिखाना था कि वह विशेष ईश्वर उस विशेष क्षेत्र में कैसे काम करना चाहता था, और सब कुछ ठीक-ठाक और ठीक-ठाक हो जाएगा। समस्या क्या है? वास्तव में दो समस्याएँ हैं। वे याहवे के बारे में सिखाने के लिए पुजारियों को भेजते हैं, लेकिन, आप जानते हैं, उस शिक्षण का एक हिस्सा शायद

विकृत पूजा थी जो वैसे भी उत्तरी राज्य में चल रही थी, जो, अगर आपको सही से याद है, तो बिल्कुल सही नहीं थी।

सोने के बछड़े वे देवता हैं जो तुम्हें मिस्र से बाहर लाए थे। त्यौहार का समय गलत है, पुजारी तम्बू में काम नहीं कर रहे हैं। तो, यहोवा की बातों में कुछ वास्तविक उलझन है।

लेकिन और क्या हो रहा है? खैर, श्लोक 32 कहता है, उन्होंने प्रभु की पूजा की, लेकिन उन्होंने अपने सभी प्रकार के लोगों को पुजारी के रूप में नियुक्त किया। उन्होंने प्रभु की पूजा की, लेकिन उन्होंने उन राष्ट्रों के रीति-रिवाजों के अनुसार अपने स्वयं के देवताओं की भी सेवा की, जहाँ से उन्हें लाया गया था। तो आपको वहाँ एक वास्तविक गड़बड़ मिल गई है।

और इसके लिए एकदम सही शब्द है, ओह, मेरा ऐसा कहने का इरादा नहीं था। यह रहा। समन्वयवाद।

एक छोटा सा शब्द जिसे आप परिभाषित करना चाहेंगे, और इसके साथ हम रुकेंगे। इसका अर्थ है धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं का एक साथ मिश्रण। यह एक बहुत ही सरल परिभाषा है, लेकिन यह हमारे उद्देश्यों के लिए काम करेगी।

विभिन्न धार्मिक और दार्शनिक मान्यताओं और प्रथाओं का एक साथ मिश्रण। इसलिए, उत्तरी राज्य में, आपके पास यह है: सही शब्द क्या है? मान्यता, मैं कहूंगा, संभवतः यहोवा की पूजा की, लेकिन इन सभी अन्य चीजों का निरंतर अभ्यास भी। यह कुछ ऐसा करने के लिए मंच तैयार करता है जो नए नियम में दिखाई देता है, जो सामरी मुद्दा है।

शायद जब आपने नया नियम पढ़ा था, तो आपने सामरियों की पूरी पृष्ठभूमि के बारे में जाना होगा। 2 राजा 17 से ही यह सब शुरू होता है। अब, हमारे सत्र को समाप्त करने का यह कितना दिलचस्प तरीका है।

ईस्टर की शुभकामनाएँ। क्या आप जानते हैं कि ईस्टर समन्वयवाद का भी एक उदाहरण है? इसे छोड़ना बहुत अच्छा नोट नहीं है। ईस्टर अंडे और उस सब और ईस्टर खरगोश को नज़रअंदाज़ करें।

पुनरुत्थान के बारे में सोचो.